Test Cloud

Daily करेंट अफेयर्स

08 OCTOBER 2025

NATIONAL AFFAIRS

1. अमित शाह की अध्यक्षता वाली उच्च स्तरीय समिति ने 9 राज्यों में आपदा न्यूनीकरण और पुनर्प्राप्ति परियोजनाओं के लिए 4,645.60 करोड़ रुपये को मंजूरी दी।

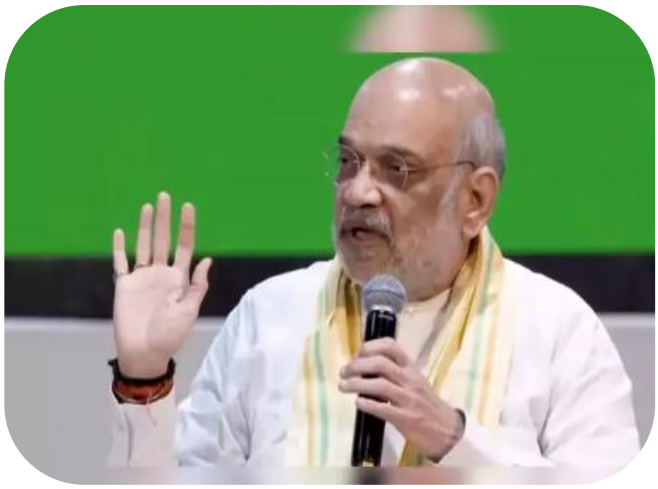

अक्टूबर 2025 में, केंद्रीय मंत्री अमित शाह, गृह मंत्रालय (MHA) की अध्यक्षता में एक उच्च स्तरीय समिति (HLC) ने राष्ट्रीय आपदा न्यूनीकरण कोष (NDMF) के तहत नौ राज्यों - असम, केरल, मध्य प्रदेश, ओडिशा, राजस्थान, उत्तर प्रदेश, बिहार, छत्तीसगढ़ और आंध्र प्रदेश के लिए 4,645.60 करोड़ रुपये की शमन, पुनर्प्राप्ति और पुनर्निर्माण परियोजनाओं को मंजूरी दी।

- **इन परियोजनाओं का उद्देश्य भारत भर में बाढ़ और भूस्खलन-प्रवण क्षेत्रों में महत्वपूर्ण बुनियादी ढांचे, पुनर्प्राप्ति और शमन उपायों को वित्तपोषित करके देश भर में आपदा तैयारी और लचीलापन बढ़ाना है।**
- **असम को पारिस्थितिकी तंत्र के संरक्षण और बाढ़ प्रबंधन क्षमता में सुधार के लिए 692.05 करोड़ रुपये की लागत वाली आर्द्रभूमि बहाली और कायाकल्प परियोजना के लिए मंजूरी मिली।**

Key Points:-

(i) शहरी बाढ़ लचीलापन और शमन कार्यक्रम (UFRMP) चरण-II के तहत, HLC ने भोपाल, भुवनेश्वर, गुवाहाटी, जयपुर, कानपुर, पटना, रायपुर, त्रिवेंद्रम, विशाखापत्तनम, इंदौर और लखनऊ सहित 11 प्रमुख शहरों में कार्यान्वयन के लिए 2,444.42 करोड़ रुपये को मंजूरी दी।

(ii) गुवाहाटी, असम के लिए 200 करोड़ रुपये की लागत वाली एक समर्पित बाढ़ शमन परियोजना को मंजूरी दी गई, जिसमें शहरी बाढ़ अवसंरचना को मजबूत करने के लिए केंद्र सरकार ने एनडीएमएफ से 180 करोड़ रुपये का योगदान दिया।

(iii) उच्च स्तरीय समिति ने 2022 की बाढ़ और 2024 के वायनाड भूस्खलन आपदा के बाद पुनर्निर्माण और पुनर्वास गतिविधियों के लिए असम के लिए 1,270.788 करोड़ रुपये और केरल के लिए 260.56 करोड़ रुपये की वित्तीय सहायता को भी मंजूरी दी।

2. प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने PM-सेतु, कौशल प्रयोगशालाओं और कर्पूरी ठाकुर कौशल विश्वविद्यालय सहित 62,000 करोड़ रुपये से अधिक की युवा-केंद्रित पहलों का शुभारंभ किया।

अक्टूबर 2025 में, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने नई दिल्ली स्थित विज्ञान भवन में 62,000 करोड़ रुपये से अधिक की कई युवा-केंद्रित पहलों का शुभारंभ किया। कौशल विकास एवं उद्यमिता मंत्रालय (MSDE) के तहत आयोजित इस कार्यक्रम में कौशल दीक्षांत समारोह

2025 का भी आयोजन किया गया, जिसमें पूरे भारत में कौशल प्रशिक्षण में उत्कृष्टता का जश्न मनाया गया।

- **उन्नत ITIs के माध्यम से प्रधानमंत्री कौशल एवं रोजगार क्षमता परिवर्तन (PM-सेतु) एक केंद्र प्रायोजित योजना (CSS) है जिसमें 60,000 करोड़ रुपये का निवेश किया जाएगा। इसका उद्देश्य हब-एंड-स्पोक मॉडल का उपयोग करके 1,000 सरकारी औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थानों (ITIs) का उन्नयन करना और उन्हें उद्योग मानकों के अनुरूप उन्नत कौशल केंद्रों में परिवर्तित करना है।**

- **PM-सेतु की संरचना में 200 हब ITI और 800 स्पोक शामिल हैं जो नवाचार, प्रशिक्षक विकास और प्लेसमेंट सुविधा के लिए प्रमुख उद्योग भागीदारों से जुड़े हैं। विश्व बैंक (WB) और एशियाई विकास बैंक (ADB) वित्तीय सहायता प्रदान कर रहे हैं, और चरण 1 कार्यान्वयन में पटना और दरभंगा (बिहार) को प्राथमिकता दी गई है।**

- **प्रधानमंत्री मोदी ने पटना, बिहार में जन नायक कर्पूरी ठाकुर कौशल विश्वविद्यालय का उद्घाटन किया। इस विश्वविद्यालय की स्थापना उद्योग-संबंधित व्यावसायिक शिक्षा प्रदान करने और वैश्विक स्तर पर प्रतिस्पर्धी कार्यबल तैयार करने के लिए की गई है। यह विश्वविद्यालय उद्योग जगत के सहयोगियों के साथ मिलकर रोजगारपरकता, उद्यमिता और तकनीकी नवाचार पर ध्यान केंद्रित करेगा।**

Key Points:-

(i) 34 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के 400 नवोदय विद्यालयों और 200 एकलव्य मॉडल आवासीय विद्यालयों में कुल 1,200 व्यावसायिक कौशल प्रयोगशालाओं का उद्घाटन किया गया। ये प्रयोगशालाएँ 12 उच्च-मांग वाले क्षेत्रों में छात्रों को व्यावहारिक अनुभव प्रदान करेंगी, और परियोजना के तहत प्रशिक्षित 1,200 व्यावसायिक शिक्षकों द्वारा समर्थित होंगी।

(ii) प्रधानमंत्री मोदी ने बिहार की संशोधित मुख्यमंत्री निश्चय स्वयं सहायता भत्ता योजना (MNSSB) का शुभारंभ किया, जिसके तहत लगभग 5 लाख स्नातकों को प्रतिवर्ष 1,000 रुपये मासिक भत्ता और निःशुल्क कौशल प्रशिक्षण प्रदान किया जाएगा। उन्होंने 4 लाख रुपये तक के ब्याज-मुक्त ऋण की पेशकश करते हुए, पुनः डिज़ाइन की गई स्टूडेंट क्रेडिट कार्ड (SCC) योजना का भी शुभारंभ किया और 18-45 वर्ष की आयु के युवाओं के लिए बिहार युवा आयोग का उद्घाटन किया।

(iii) PM-USHA (प्रधानमंत्री उच्चतर शिक्षा अभियान) के अंतर्गत, पटना विश्वविद्यालय, भूपेंद्र नारायण मंडल विश्वविद्यालय (मधेपुरा), जय प्रकाश विश्वविद्यालय (छपरा) और नालंदा मुक्त विश्वविद्यालय में नई सुविधाओं की आधारशिला रखी गई, जिसके लिए 160 करोड़ रुपये आवंटित किए गए। प्रधानमंत्री मोदी ने एनआईटी पटना के बिहटा परिसर को भी राष्ट्र को समर्पित किया, जिसमें एक 5जी लैब, इसरो समर्थित क्षेत्रीय अंतरिक्ष शैक्षणिक केंद्र और नौ स्टार्टअप को बढ़ावा देने वाला एक नवाचार एवं इनक्यूबेशन केंद्र शामिल है।

3. भारत की पहली सहकारी मल्टी-फीड CBG और पोटाश ग्रेन्युल उत्पादन सुविधा का महाराष्ट्र में उद्घाटन किया गया।

5 अक्टूबर, 2025 को, केंद्रीय गृह मंत्री (MHA) और सहकारिता मंत्री अमित शाह ने महाराष्ट्र के अहिल्यानगर स्थित महर्षि शंकरराव कोल्हे सहकारी साखर कारखाना लिमिटेड में भारत की पहली सहकारी मल्टी-फीड कम्प्रेस्ड बायोगैस (CBG) और पोटाश ग्रेन्यूल उत्पादन सुविधा का उद्घाटन किया। यह पहल भारत सरकार के "अपशिष्ट से धन" और "आत्मनिर्भर भारत" मिशनों का समर्थन करती है।

- **यह परियोजना राष्ट्रीय सहकारी विकास निगम (NCDC) के सहयोग से सहकारिता मंत्रालय के अंतर्गत विकसित की गई है और इसका कुल बजट परिव्यय 55 करोड़ रुपये है।**

- **यह सुविधा 12 टन CBG और 75 टन पोटाश ग्रैन्यूल्स की दैनिक क्षमता के साथ संचालित होती है।**

- **इस पहल का उद्घाटन महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस, उप-मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे और अजित पवार, तथा केंद्रीय सहकारिता राज्य मंत्री मोहनभाई कुंदरिया की उपस्थिति में हुआ। उनकी भागीदारी ने सहकारी सुधारों और सतत ऊर्जा परियोजनाओं में महाराष्ट्र के नेतृत्व पर ज़ोर दिया।**

Key Points:-

(i) NCDC के मॉडल के तहत, भारत सरकार इस CBG और पोटाश ग्रेन्यूल पहल को 15 अतिरिक्त सहकारी चीनी मिलों तक विस्तारित करने की योजना बना रही है, जिससे ग्रामीण रोजगार, ऊर्जा सुरक्षा को बढ़ावा मिलेगा और रासायनिक उर्वरक पर निर्भरता कम होगी।

(ii) कार्यक्रम के दौरान अमित शाह ने अहिल्यानगर में डॉ. विट्ठलराव एकनाथराव विखे पाटिल और बालासाहेब विखे पाटिल की मूर्तियों का भी अनावरण किया। डॉ. विट्ठलराव विखे पाटिल को व्यापार और उद्योग में उनके योगदान के लिए 1961 में पद्म श्री से सम्मानित किया गया था, जबकि बालासाहेब विखे पाटिल को सामाजिक सेवा और सहकारी विकास में उनके काम के लिए 2010 में पद्म भूषण प्राप्त हुआ था।

4. प्रोजेक्ट हिमांक के तहत BRO ने मिग ला दर्रे पर दुनिया की सबसे ऊंची मोटर योग्य सड़क का निर्माण किया, जो पिछले रिकॉर्ड से आगे निकल गई।

अक्टूबर 2025 में, सीमा सड़क संगठन (BRO) ने प्रोजेक्ट हिमांक के तहत, वास्तविक नियंत्रण रेखा (LAC) के पास मिग ला दर्रे पर 19,400 फीट की ऊंचाई पर दुनिया की सबसे ऊंची मोटर योग्य सड़क का निर्माण किया, जिसने 2021 में लद्दाख में उमलिंग ला दर्रे (19,024 फीट) पर बनाए गए अपने ही पिछले गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड को पीछे छोड़ दिया। यह इंजीनियरिंग चमत्कार पूर्वी लद्दाख में भारत की सीमा संपर्क और रक्षा बुनियादी ढांचे को मजबूत करता है।

- **मिग ला रोड का निर्माण प्रोजेक्ट हिमांक के मुख्य अभियंता ब्रिगेडियर विशाल श्रीवास्तव के नेतृत्व में किया गया, जिससे चुनौतीपूर्ण उच्च ऊंचाई वाली परिस्थितियों में विशेषज्ञ पर्यवेक्षण और सफल निष्पादन सुनिश्चित हुआ।**

- **यह सड़क लिकारू-मिग ला-फुकचे मार्ग का हिस्सा है, जो हानले क्षेत्र को भारत-चीन सीमा के पास फुकचे गांव से जोड़ती है, तथा एक महत्वपूर्ण रसद और रक्षा गलियारा प्रदान करती है।**

Key Points:-

(i) मिग ला रोड फुकचे को तीसरी महत्वपूर्ण धुरी प्रदान करता है, जो भारत की पूर्वी लद्दाख सीमा पर सैन्य गतिशीलता, सीमा रसद और रक्षा तैयारियों को महत्वपूर्ण रूप से बढ़ाता है।

(ii) कम ऑक्सीजन, शून्य से नीचे के तापमान और ऊबड़-खाबड़ इलाकों जैसी विषम परिस्थितियों में निर्मित यह सड़क बीआरओ की उच्च ऊंचाई वाली इंजीनियरिंग उत्कृष्टता और लचीलेपन को प्रदर्शित करती है।

(iii) यह सड़क हान्ले और फुकचे जैसे दूरदराज के गांवों तक पहुंच में सुधार करती है, सुंदर सिंधु घाटी मार्गों के माध्यम से साहसिक पर्यटन को बढ़ावा देती है और लद्दाख के सीमावर्ती क्षेत्रों में सामाजिक-आर्थिक विकास को बढ़ावा देती है।

5. केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने 'आपकी पुंजी आपका अधिकार' अभियान शुरू किया।

04 अक्टूबर, 2025 को केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने गुजरात के गांधीनगर से राष्ट्रव्यापी अभियान 'आपकी पुंजी आपका अधिकार' का शुभारंभ किया। इस अभियान का उद्देश्य वित्तीय प्रणाली के विभिन्न क्षेत्रों में अघोषित वित्तीय परिसंपत्तियों के त्वरित निपटान को सुगम बनाना, नागरिक-केंद्रित शासन और जीवन को सुगम बनाना है।

- **यह अभियान नागरिकों को उनकी लावारिस वित्तीय परिसंपत्तियों का कुशलतापूर्वक पता लगाने और उन पर दावा करने में मदद करने के लिए बनाया गया है, जिसमें बैंकों, बीमा कंपनियों, म्यूचुअल फंड, पेंशन फंड और अन्य वित्तीय संस्थानों में पड़ी परिसंपत्तियां शामिल हैं।**
- **अधिकतम भागीदारी सुनिश्चित करने के लिए, यह अभियान अक्टूबर-दिसंबर 2025 के दौरान सभी राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों में चलाया जाएगा, तथा देश भर के नागरिकों तक पहुंचेगा।**
- **डिजिटल प्रदर्शन, हेल्पडेस्क और नागरिक सहायता तंत्र व्यक्तियों को उनकी लावारिस संपत्तियों की पहचान करने और उन पर दावा करने में सहायता करेंगे, जिससे प्रक्रिया सरल होगी और जागरूकता बढ़ेगी।**

Key Points:-

इस अभियान का समन्वय वित्त मंत्रालय के वित्तीय सेवा विभाग (DFS) द्वारा किया जा रहा है, जो भारतीय रिजर्व बैंक (RBI), भारतीय प्रतिभूति और विनिमय बोर्ड (SEBI), भारतीय बीमा विनियामक और विकास प्राधिकरण (IRDAI), पेंशन निधि विनियामक और विकास प्राधिकरण (PFRDA), और निवेशक शिक्षा और संरक्षण निधि प्राधिकरण (IEPFA) के साथ-साथ बैंकों, बीमा कंपनियों, म्यूचुअल फंड और पेंशन संस्थानों को एक एकीकृत मंच पर एक साथ ला रहा है।

6. केंद्रीय मंत्री जी. किशन रेड्डी ने अरुणाचल प्रदेश की पहली वाणिज्यिक कोयला खदान, नामचिक नामफुक का उद्घाटन किया।

7 अक्टूबर, 2025 को केंद्रीय कोयला एवं खान मंत्री श्री जी. किशन रेड्डी ने अरुणाचल प्रदेश के मुख्यमंत्री श्री पेमा खांडू के साथ चांगलांग ज़िले में नामचिक नामफुक कोयला खदान का उद्घाटन किया। यह राज्य की पहली वाणिज्यिक कोयला खनन परियोजना है, जो अरुणाचल प्रदेश के आर्थिक विकास में एक नया अध्याय जोड़ेगी और इसे भारत के कोयला एवं ऊर्जा मानचित्र पर स्थापित करेगी।

- **कार्यक्रम की शुरुआत भूमि पूजन समारोह और "100 वृक्षारोपण पहल" के अंतर्गत वृक्षारोपण अभियान के साथ हुई, जिसे श्री जी. किशन रेड्डी और श्री पेमा खांडू ने संयुक्त रूप से संपन्न किया। इसके बाद नामचिक नामफुक कोयला खदान का औपचारिक उद्घाटन हुआ।**

- **उद्घाटन में खनन पट्टा सौंपना और नामचिक-नामफुक सेंट्रल कोल ब्लॉक के लिए CPPL के उपकरणों और मशीनरी को हरी झंडी दिखाना शामिल था, जिसके साथ ही अरुणाचल प्रदेश में वाणिज्यिक खनन परिचालन की आधिकारिक शुरुआत हो गई।**

- **केंद्रीय मंत्री श्री जी. किशन रेड्डी ने इस बात पर प्रकाश डाला कि इस कोयला खदान में 1.5 करोड़ टन कोयले का भंडार है। उन्होंने इस उद्घाटन को नई आशा का प्रतीक बताया, जो पूर्वोत्तर में ऊर्जा सुरक्षा और क्षेत्रीय विकास में महत्वपूर्ण योगदान देगा।**

Key Points:-

(i) मुख्यमंत्री श्री पेमा खांडू ने इस बात पर जोर दिया कि यह परियोजना राज्य की अर्थव्यवस्था को बढ़ावा देगी, रोजगार के अवसर पैदा करेगी और अरुणाचल प्रदेश के लिए स्थिर राजस्व उत्पन्न करेगी।

(ii) इस पहल से स्थानीय समुदायों को सशक्त बनाने तथा खनन एवं औद्योगिक क्षेत्रों में और अधिक निवेश आकर्षित करने की उम्मीद है।

(iii) नामचिक नामफुक कोयला खदान पूर्वोत्तर क्षेत्र के विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी, औद्योगिक विकास, स्थानीय रोजगार और भारत की ऊर्जा आत्मनिर्भरता को बढ़ाकर आत्मनिर्भर भारत का समर्थन करेगी, तथा ऊर्जा सुरक्षा और आत्मनिर्भरता की दिशा में राष्ट्र की यात्रा को मजबूत करेगी।

MOUs and Agreement

1. TIC और IIIT नया रायपुर ने अगली पीढ़ी की दूरसंचार प्रौद्योगिकियों में अनुसंधान और मानकीकरण को बढ़ावा देने के लिए समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए।

अक्टूबर 2025 में, संचार मंत्रालय के दूरसंचार विभाग (DoT) के तहत दूरसंचार इंजीनियरिंग केंद्र (TEC) ने हाल ही में अंतर्राष्ट्रीय सूचना प्रौद्योगिकी संस्थान (IIIT) नया रायपुर, छत्तीसगढ़ के साथ एक समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए।

• साझेदारी का उद्देश्य अगली पीढ़ी की दूरसंचार प्रौद्योगिकियों में अनुसंधान, नवाचार और मानकीकरण को संयुक्त रूप से आगे बढ़ाना है, जो भारत के डिजिटल पारिस्थितिकी तंत्र और आत्मनिर्भर भारत के दृष्टिकोण का समर्थन करता है।

• यह सहयोग शहरी और ग्रामीण क्षेत्रों में भारत की विविध कनेक्टिविटी आवश्यकताओं के अनुकूल किफायती, अंतर-संचालनीय और विक्रेता-तटस्थ दूरसंचार समाधान विकसित करके डिजिटल समावेशन को बढ़ावा देने पर केंद्रित है।

Key Points:-

(i) समझौता ज्ञापन का लक्ष्य ओपन रेडियो एक्सेस नेटवर्क (RAN) और नेटवर्क डिसएग्रीगेशन, संज्ञानात्मक रेडियो और स्पेक्ट्रम शेयरिंग, 5जी/6जी प्रौद्योगिकियां, इंटरनेट ऑफ थिंग्स (IoT) इंटरनेट स्पीड फ्रेमवर्क और दूरसंचार मानकीकरण में योगदान सहित उन्नत क्षेत्र हैं।

(ii) साझेदारी में भारत के डिजिटल पारिस्थितिकी तंत्र के लिए विशेष रूप से तैयार दूरसंचार मानकों और अंतर-संचालन समाधानों के निर्माण का प्रस्ताव है, जिससे नेटवर्क में निर्बाध एकीकरण और दक्षता सुनिश्चित हो सके।

(iii) यह सहयोग स्वदेशी अनुसंधान, डिजाइन और अगली पीढ़ी की दूरसंचार प्रौद्योगिकियों के विकास को बढ़ावा देकर भारत के आत्मनिर्भर भारत दृष्टिकोण को आगे बढ़ाता है, जिससे डिजिटल बुनियादी ढांचे में देश की आत्मनिर्भरता मजबूत होती है।

APPOINTMENTS & RESIGNATIONS

1. ग्रुप कैप्टन शुभांशु शुक्ला को विकसित भारत बिल्डथॉन का ब्रांड एंबेसडर नियुक्त किया गया।

अक्टूबर 2025 में, अंतर्राष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन (ISS) पर पहुँचने वाले पहले भारतीय, ग्रुप कैप्टन शुभांशु शुक्ला को विकसित भारत बिल्डथॉन का ब्रांड एंबेसडर नियुक्त किया गया। यह शिक्षा मंत्रालय (MoE) द्वारा एक राष्ट्रव्यापी नवाचार पहल है। यह कार्यक्रम कक्षा 6 से 12 तक के छात्रों को विभिन्न विषयों पर नवीन प्रोटोटाइप बनाने में संलग्न करता है।

• यह पहल भारत में अब तक का सबसे बड़ा स्कूल हैकथॉन है, जिसमें 1.5 लाख स्कूलों के 1 करोड़ से अधिक छात्र शामिल हैं, जो युवा शिक्षार्थियों में रचनात्मकता, समस्या-समाधान और व्यावहारिक नवाचार को प्रोत्साहित करता है।

• ग्रुप कैप्टन शुभांशु शुक्ला 39 वर्षीय भारतीय वायु सेना (IAF) अधिकारी और परीक्षण पायलट हैं, जिन्हें एयरोस्पेस और रक्षा क्षेत्रों में उनके योगदान के लिए जाना जाता है।

• उन्होंने अपनी पहली अंतरिक्ष यात्रा एक्सिओम-4 मिशन के तहत पूरी की। यह एक वाणिज्यिक अंतरिक्ष उड़ान थी जिसे इसरो (भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन) और नासा (राष्ट्रीय वैमानिकी एवं अंतरिक्ष प्रशासन) का समर्थन प्राप्त था और इसका संचालन अमेरिकी अंतरिक्ष अवसंरचना विकासकर्ता एक्सिओम स्पेस द्वारा किया जाता था।

SPORTS

1. भारत नई दिल्ली में ISSF जूनियर विश्व कप राइफल/पिस्टल/शॉटगन 2025 में पदक तालिका में शीर्ष पर रहा।

अंतर्राष्ट्रीय निशानेबाजी खेल महासंघ (ISSF) जूनियर विश्व कप राइफल/पिस्टल/शॉटगन 2025 का अंतिम चरण 24 सितंबर से 2 अक्टूबर, 2025 तक डॉ. कर्णी सिंह शूटिंग रेंज, नई दिल्ली, भारत में संपन्न हुआ, जिसमें भारत 8 स्वर्ण सहित 26 पदकों के साथ पदक तालिका में शीर्ष पर रहा।

- **भारत नई दिल्ली में ISSF जूनियर विश्व कप राइफल/पिस्टल/शॉटगन 2025 में पदक तालिका में शीर्ष पर रहा।**

- **भारत की पदक तालिका में 8 स्वर्ण, 10 रजत और 8 कांस्य पदक शामिल थे, जिससे देश शीर्ष प्रदर्शन करने वाला देश बन गया। व्यक्तिगत तटस्थ एथलीटों (INA) ने प्रतियोगिता में 12 पदक, इटली ने 5, चीन ने 4 और चेक गणराज्य ने 4 पदक जीते।**

- **जूनियर विश्व चैंपियन मुकेश नेलावल्ली ने जूनियर निशानेबाजी में अपना दबदबा दिखाते हुए पुरुषों की 25 मीटर पिस्टल स्पर्धा में स्वर्ण पदक जीता। तेजस्वनी सिंह ने फाइनल में 580-17x के साथ क्वालीफिकेशन में शीर्ष स्थान हासिल करते हुए महिलाओं की 25 मीटर पिस्टल स्पर्धा में रजत पदक जीता, जो पिस्टल स्पर्धाओं में भारत के दमदार प्रदर्शन को दर्शाता है।**

Key Points:-

(i) भारतीय स्वर्ण पदक विजेताओं में पुरुषों की 10 मीटर एयर पिस्टल (व्यक्तिगत) में जोनाथन गेविन एंटनी, महिलाओं की 10 मीटर एयर राइफल (व्यक्तिगत) में ओजस्वी ठाकुर, पुरुषों की 10 मीटर एयर राइफल (व्यक्तिगत) में हिमांशु शामिल थे, और मिश्रित टीम स्पर्धाओं में ईशा अनिल टकसाले और हिमांशु और रश्मिका सहगल और कपिल ने क्रमशः 10 मीटर एयर राइफल और 10 मीटर एयर पिस्टल में स्वर्ण पदक हासिल किया।

(ii) ISSF जूनियर विश्व कप 2025 उभरती प्रतिभाओं के लिए एक मंच के रूप में कार्य करेगा, जिसमें भारत ने 15 ओलंपिक स्पर्धाओं में कुल 69 निशानेबाजों को मैदान में उतारा।

(iii) ISSF जूनियर विश्व कप का पिछला संस्करण 19-27 मई, 2025 तक जर्मनी के सुहल में आयोजित किया गया था, और नई दिल्ली में भारत के शीर्ष स्थान ने प्रदर्शन में उल्लेखनीय सुधार को दर्शाया, जिससे युवा निशानेबाजी प्रतिभाओं को पोषित करने और वैश्विक प्रतिस्पर्धा बनाए रखने के लिए देश की प्रतिबद्धता को बल मिला।

AWARDS

1. 2025 का फिजियोलॉजी या मेडिसिन का नोबेल पुरस्कार शिमोन सकागुची, मैरी ई. ब्रुनकोव और फ्रेड रामस्डेल को प्रदान किया गया।

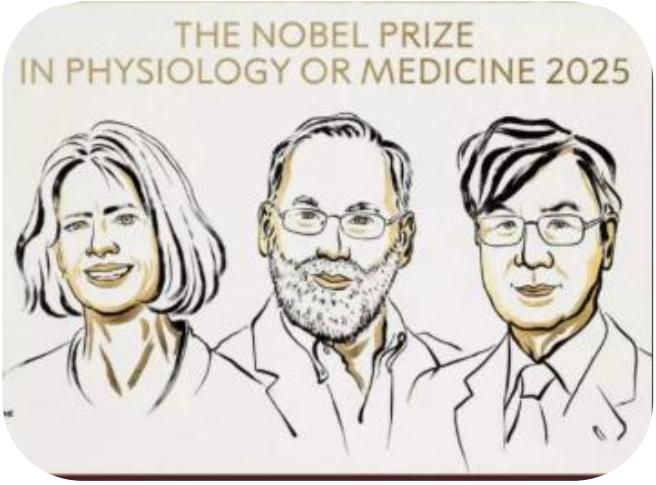

6 अक्टूबर, 2025 को, स्वीडन के स्टॉकहोम स्थित कारोलिंस्का इंस्टीट्यूट में नोबेल असेंबली ने हाल ही में शिमोन सकागुची, मैरी ई. ब्रुनकोव और फ्रेड रामस्डेल को परिधीय प्रतिरक्षा सहिष्णुता (जो प्रतिरक्षा प्रणाली को शरीर पर आक्रमण करने से रोकती है) पर उनकी अभूतपूर्व खोजों के लिए फिजियोलॉजी या मेडिसिन का नोबेल पुरस्कार 2025 के विजेता के रूप में घोषित किया।

- **ये पुरस्कार 10 दिसंबर को अल्फ्रेड नोबेल की पुण्यतिथि पर प्रदान किए जाएँगे।**

Key Points:-

(i) 1995 में, शिमोन सकागुची ने टी कोशिकाओं के एक उपसमूह की पहचान की जो प्रतिरक्षा प्रतिक्रियाओं को दबाते हैं और स्व-प्रतिरक्षी रोगों को रोकते हैं। नियामक टी कोशिकाएँ (Tregs) नामक इन कोशिकाओं ने यह दर्शाया कि प्रतिरक्षा प्रणाली में शरीर के अपने ऊतकों को नुकसान पहुँचाने से बचने के लिए एक अंतर्निहित तंत्र होता है।

(ii) 2001 में, मैरी ई. ब्रुनको ने पाया कि FOXP3 जीन में उत्परिवर्तन चूहों में एक घातक स्वप्रतिरक्षी रोग का कारण बनता है। उनके शोध से पता चला कि FOXP3 (स्कर्फिन) Treg के विकास और समुचित कार्य के लिए आवश्यक है।

(iii) साकागुची, ब्रुनको और रैम्सडेल के संयुक्त कार्य ने प्रतिरक्षा विनियमन की समझ को महत्वपूर्ण रूप से उन्नत किया है, स्वप्रतिरक्षी रोगों के बारे में अंतर्दृष्टि प्रदान की है और ऐसे चिकित्सीय हस्तक्षेपों का मार्ग प्रशस्त किया है जो प्रतिरक्षा प्रतिक्रियाओं को बढ़ा या दबा सकते हैं।

2. संयुक्त राष्ट्र सेवा के लिए सूडान के अबेई में भारतीय शांतिदूतों को सम्मानित किया गया।

संयुक्त राष्ट्र अंतरिम सुरक्षा बल (UNISFA) में कार्यरत भारतीय कर्मियों को हाल ही में UNISFA के कार्यवाहक मिशन प्रमुख मेजर जनरल रॉबर्ट यॉ अफ़्राम द्वारा सूडान और दक्षिण सूडान के बीच विवादित, तेल-समृद्ध सीमा क्षेत्र में उनके समर्पण और सेवा के लिए सम्मानित किया गया। यह सम्मान वैश्विक शांति स्थापना प्रयासों के प्रति भारत की निरंतर प्रतिबद्धता को दर्शाता है।

Key Points:-

(i) भारत ने संघर्ष-ग्रस्त क्षेत्रों में शांति और स्थिरता बनाए रखने के लिए अपनी अटूट प्रतिबद्धता का प्रदर्शन करते हुए UNISFA में सैन्य पर्यवेक्षकों और स्टाफ अधिकारियों को तैनात किया है।

(ii) भारत वैश्विक स्तर पर संयुक्त राष्ट्र शांति स्थापना अभियानों में सबसे बड़ा योगदानकर्ता बना हुआ है, जहाँ वर्तमान में 5,000 से अधिक सैनिक कार्यरत हैं, जो अंतर्राष्ट्रीय शांति और सुरक्षा पहलों में इसकी

नेतृत्वकारी भूमिका को सुदृढ़ करता है।

IMPORTANT DAYS

1. PFRDA ने नई दिल्ली में NPS दिवस 2025 मनाया।

1 अक्टूबर, 2025 को पेंशन फंड नियामक एवं विकास प्राधिकरण (PFRDA) ने नई दिल्ली में NPS दिवस 2025 मनाया। इस कार्यक्रम का मुख्य विषय था "समावेशी पेंशन, अभिनव समाधान: भारत में सेवानिवृत्ति सुरक्षा को मज़बूत करना"।

- **2004 में शुरू की गई NPS, वित्तीय स्वतंत्रता और शीघ्र सेवानिवृत्ति के लिए कम लागत, उच्च रिटर्न वाले निवेश विकल्पों के साथ सभी नागरिकों के लिए पेंशन योजना को बढ़ावा देती है।**
- **अगस्त 2025 तक, NPS के 9 करोड़ ग्राहक और 15.5 लाख करोड़ रुपये की एयूएम है, जो 14 वर्षों में 9% CAGR की दर से बढ़ रही है। मल्टीपल स्कीम्स फ्रेमवर्क (MSF) और पेंशन सखियों जैसी पहलों ने समावेशन को व्यापक बनाया है।**
- **कार्यक्रम के वक्ताओं में केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण, सचिव एम. नागराजू (DFS, MoF), CEA डॉ. वी. अनंत नागेश्वरन और PFRDA अध्यक्ष एस. रमन्न शामिल थे।**

Key Points:-

(i) तीन पैनलों ने कृषि उद्यमियों और प्लेटफॉर्म श्रमिकों के लिए संचयन चरण, वृद्धावस्था आय पर चर्चा की, और एमएसएफ का शुभारंभ किया, जिससे 10 पेंशन फंड पेशेवरों, महिलाओं, उद्यमियों और प्लेटफॉर्म श्रमिकों के लिए अनुरूप योजनाएं पेश करने में सक्षम हो गए।

(ii) PFRDA ने ग्रामीण पेंशन पहुंच का विस्तार करने के लिए NABARD के साथ एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए और पायलट के रूप में HDFC पेंशन फंड के साथ ज़ोमैटो प्लेटफॉर्म के 60,000 श्रमिकों को PRANs वितरित किए।

(iii) पेंशन पहलों पर एक संग्रह "संचयिता" का विमोचन किया गया। वित्तीय जागरूकता को बढ़ावा देने के लिए NPS क्वेस्ट प्रतियोगिता के विजेताओं को पुरस्कृत किया गया। MSME आउटरीच योजनाएँ 12 राज्यों के समूहों को लक्षित करती हैं।

2. विश्व शिक्षक दिवस 2025 को विश्व स्तर पर "शिक्षण को एक सहयोगात्मक पेशे के रूप में पुनः स्थापित करना" थीम के साथ मनाया गया।

5 अक्टूबर, 2025 को, विश्व शिक्षक दिवस (WTD) दुनिया भर में "शिक्षण को एक सहयोगी पेशे के रूप में पुनर्परिभाषित करना" थीम के तहत मनाया गया। संयुक्त राष्ट्र शैक्षिक, वैज्ञानिक और सांस्कृतिक संगठन (UNESCO) द्वारा प्रतिवर्ष मनाया जाने वाला यह दिवस शिक्षकों को भावी पीढ़ियों को शिक्षित करने और

उन्हें आकार देने में उनकी महत्वपूर्ण भूमिका के लिए सम्मानित करता है, साथ ही शिक्षकों, स्कूलों और शिक्षा प्रणालियों के बीच सहयोग के महत्व पर ज़ोर देता है।

• 2025 का विषय, "शिक्षण को एक सहयोगी पेशे के रूप में पुनर्निर्मित करना", शिक्षण गुणवत्ता और छात्र सीखने के परिणामों को बढ़ाने के लिए शिक्षकों, स्कूल समुदायों और शिक्षा प्रणालियों के बीच सहयोग और सहभागिता की परिवर्तनकारी शक्ति पर प्रकाश डालता है।

• इस दिवस की शुरुआत 5 अक्टूबर, 1966 से हुई, जब यूनेस्को और अंतर्राष्ट्रीय श्रम संगठन (ILO) ने पेरिस, फ्रांस में शिक्षकों की स्थिति से संबंधित सिफारिश को अपनाया था।

• विश्व शिक्षक दिवस पहली बार 5 अक्टूबर, 1994 को मनाया गया था, जो 1966 के यूनेस्को/आईएलओ सम्मेलन की 30वीं वर्षगांठ के उपलक्ष्य में मनाया गया था। यह दिवस यूनेस्को द्वारा अंतर्राष्ट्रीय श्रम संगठन, संयुक्त राष्ट्र बाल कोष (UNICEF) और एजुकेशन इंटरनेशनल (EI) के सहयोग से विश्व स्तर पर शिक्षकों की पहचान को बढ़ावा देने के लिए संयुक्त रूप से आयोजित किया जाता है।

Key Points:-

(i) भारत में, शिक्षक दिवस 1962 से प्रतिवर्ष 5 सितंबर को भारत के दूसरे राष्ट्रपति डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन के सम्मान में उनकी जयंती के रूप में मनाया जाता है और शिक्षा में उनके योगदान को स्वीकार किया जाता है।

(ii) 2025 में यह वैश्विक उत्सव इथियोपिया के अदीस अबाबा में शिक्षक शिक्षा पर अखिल अफ्रीकी सम्मेलन (PACTED) के ढांचे के अंतर्गत आयोजित किया गया था। इस कार्यक्रम में यूनेस्को, यूनिसेफ, अंतर्राष्ट्रीय श्रम संगठन और यूरोपीय संघ के वरिष्ठ प्रतिनिधियों ने शिक्षक विकास के लिए अंतर्राष्ट्रीय सहयोग पर ज़ोर देते हुए वक्तव्य दिए।

(iii) अफ्रीकी संघ द्वारा संचालित एक मंत्रिस्तरीय पैनल ने "अलगाव से सामूहिक शक्ति तक: सहयोग के लेंस के माध्यम से शिक्षण पेशे की पुनर्कल्पना" विषय पर ध्यान केंद्रित किया।

DEFENCE

1. भारत और ब्रिटेन ने पूर्ण कैरियर स्ट्राइक ग्रुप्स और बहुराष्ट्रीय भागीदारी के साथ पश्चिमी तट पर द्विपक्षीय नौसैनिक अभ्यास 'KONKAN-2025' शुरू किया।

अक्टूबर 2025 में, भारतीय नौसेना (IN) और यूनाइटेड किंगडम (UK) की रॉयल नेवी (RN) ने भारत के पश्चिमी तट पर द्विपक्षीय समुद्री अभ्यास 'कोंकण-2025' शुरू किया, जिससे दोनों देशों के बीच नौसैनिक सहयोग और परिचालन समन्वय मजबूत हुआ।

• 5 से 12 अक्टूबर, 2025 तक निर्धारित यह अभ्यास दो अलग-अलग चरणों में आयोजित किया गया - हार्बर चरण (5-8 अक्टूबर) जिसमें पेशेवर और सांस्कृतिक बातचीत पर ध्यान केंद्रित किया गया, और समुद्री चरण (9-12 अक्टूबर) जिसमें जटिल समुद्री संचालन और युद्ध अभ्यास पर जोर दिया गया।

• 'कोंकण-2025' भारत और ब्रिटेन दोनों की ओर से पूर्ण कैरियर स्ट्राइक ग्रुप्स (CSGs) की पहली तैनाती का प्रतीक है, जो हिंद-प्रशांत क्षेत्र में बढ़ी हुई समुद्री साझेदारी और रक्षा तालमेल को प्रदर्शित करता है।

• इस अभ्यास का उद्देश्य अंतर-संचालन को बढ़ावा देना, आपसी समझ को मजबूत करना और भारतीय तथा शाही नौसेनाओं के बीच समुद्री सुरक्षा समन्वय में सुधार करना है, विशेष रूप से क्षेत्रीय स्थिरता और रणनीतिक निवारण के लिए।

Key Points:-

(i) भारतीय नौसेना का प्रतिनिधित्व भारत के स्वदेश निर्मित विमानवाहक पोत आईएनएस विक्रांत ने किया, जिसे विध्वंसक, पनडुब्बियों और विमानन इकाइयों का समर्थन प्राप्त था। रॉयल नेवी ने अपने प्रमुख विमानवाहक पोत एचएमएस प्रिंस ऑफ वेल्स को तैनात किया, जो विध्वंसक, फ्रिगेट और रसद जहाजों के एक कार्य समूह का नेतृत्व कर रहा था।

(ii) पहली बार, नॉर्वे और जापान की नौसेनाएं अभ्यास कोंकण में शामिल हुईं, जो हिंद-प्रशांत ढांचे में लोकतांत्रिक समुद्री शक्तियों के बीच बढ़ते बहुपक्षीय सहयोग का प्रतीक है।

(iii) समुद्री चरण में उन्नत सामरिक ऑपरेशन जैसे कि एंटी-एयर वारफेयर (AAW), एंटी-सरफेस वारफेयर (ASuW), और एंटी-सबमरीन वारफेयर (ASW) शामिल थे - जिसमें संयुक्त युद्ध तत्परता, वायु रक्षा समन्वय और पनडुब्बी का पता लगाने की क्षमताओं पर ध्यान केंद्रित किया गया था।

SCIENCE AND TECHNOLOGY

1. भारतीय तटरक्षक बल ने कराईकल में 8वें अदम्य श्रेणी के एफपीवी में से दूसरे ICGS अक्षर को शामिल किया।

अक्टूबर 2025 में, भारतीय तटरक्षक बल के जहाज (ICGS) अक्षर, जो 8वें अदम्य श्रेणी के तीव्र गश्ती पोतों (FPVs) में से दूसरा है, का केंद्र शासित प्रदेश पुडुचेरी के कराईकल में जलावतरण किया गया। रक्षा मंत्रालय (MoD) के अधीन भारतीय रक्षा लेखा सेवा (IDAS) की अतिरिक्त सचिव दीप्ति मोहिल चावला ने वरिष्ठ तटरक्षक और रक्षा अधिकारियों की उपस्थिति में इस जलावतरण समारोह का संचालन किया।

• ICGS अक्षर को गोवा शिपयार्ड लिमिटेड (GSL) द्वारा स्वदेशी रूप से डिज़ाइन और विकसित किया गया है, जिसमें 60% से अधिक स्थानीय सामग्री का उपयोग किया गया है, जो भारत की 'मेक इन इंडिया' पहल का समर्थन करता है और समुद्री क्षमताओं को मज़बूत करता है। 51 मीटर लंबे इस जहाज़ को सुरक्षित, संरक्षित और स्वच्छ समुद्र के लिए बनाया गया है।

• इस जहाज का वज़न लगभग 320 टन है और यह दो 3,000 किलोवाट के डीज़ल इंजनों से संचालित होता है, जिससे इसकी अधिकतम गति 27 नॉट और क्षमता 1,500 समुद्री मील तक पहुँच जाती है। बेहतर गतिशीलता और परिचालन लचीलेपन के लिए यह कंट्रोलेबल पिच प्रोपेलर (CPP) और गियरबॉक्स से लैस है।

• ICGS अक्षर में एक एकीकृत ब्रिज सिस्टम (IBS), एक एकीकृत प्लेटफार्म प्रबंधन प्रणाली (IPMS) और एक स्वचालित ऊर्जा प्रबंधन प्रणाली (APMS) है, जो

समुद्री परिचालन के दौरान परिचालन दक्षता, मिशन तत्परता और सुरक्षा को बढ़ाता है।

Key Points:-

(i) पोत के हथियारों में एक 30 मिमी CRN-91 तोप और दो 12.7 मिमी स्थिर रिमोट-नियंत्रित बंदूकें (SRCGs) शामिल हैं, जिनमें उन्नत अग्नि-नियंत्रण प्रणाली है, जो प्रभावी तटीय सुरक्षा और कानून प्रवर्तन क्षमताओं को सुनिश्चित करती हैं।

(ii) ICGS अक्षर, कमांडर तटरक्षक क्षेत्र (पूर्व), चेन्नई, तमिलनाडु के प्रशासनिक एवं परिचालन नियंत्रण में कराईकल में स्थित है। इसकी कमान कमांडेंट (जेजी) शुभेंदु चक्रवर्ती के पास है, जिनके साथ 5 अधिकारियों और 33 कर्मियों की एक टीम है।

(iii) यह जहाज समुद्री निगरानी, तटीय सुरक्षा और कानून प्रवर्तन कार्यों का संचालन करेगा, जो सुरक्षित, संरक्षित और स्वच्छ समुद्र सुनिश्चित करने के लिए भारतीय तटरक्षक बल के दृढ़ संकल्प का प्रतीक है।

Static GK

National Disaster Management Authority (NDMA)	अध्यक्ष : प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी	मुख्यालय: नई दिल्ली
Bihar	मुख्यमंत्री (CM) : नीतीश कुमार	राज्यपाल : आरिफ मोहम्मद खान
Maharashtra	मुख्यमंत्री: देवेंद्र फडणवीस	राज्यपाल: आचार्य देवव्रत
United Kingdom (UK)	प्रधानमंत्री (PM) : कीर स्टारमर	राजधानी : लंदन
Border Roads Organisation (BRO)	महानिदेशक : लेफ्टिनेंट जनरल रघु श्रीनिवासन	मुख्यालय: नई दिल्ली
Nobel Assembly	अध्यक्ष : एस्ट्रिड सोडरबर्ग विडिंग	मुख्यालय : स्टॉकहोम , स्वीडन
United Nations Interim Security Force for Abyei (UNISFA)	प्रमुख: मेजर जनरल बेंजामिन ओलुफेमी सॉयर	मुख्यालय: अबेई
Indian Coast Guard (ICG)	महानिदेशक (DG) : परमेश शिवमणि	मुख्यालय: नई दिल्ली
United Nations Educational, Scientific and Cultural Organisation(UNESCO)	महानिदेशक (DG) : ऑड्रे अज़ोले	मुख्यालय : पेरिस, फ्रांस
Arunachal Pradesh	मुख्यमंत्री: पेमा खांडू	राज्यपाल: कैवल्य त्रिविक्रम परनायक